

Written by मेरी बटिया संवाददाता  
Tuesday, 19 June 2018 17:11

: 00000000 00 000000 00 000000 00 000000 00 0000 00 0000 0000 0000-0000000000  
0000000 00000 000000 : 00000000 00 0000 000000 00 0000 00 00000 0000 **45** 00 00000  
0000, 0000000 00000000 00 0000 000000 0000, 00000000 00 00000 00 00000000 00 00  
00000000 0000 00000000 00 0000000 00000 00000 :

0000 0000000 00000000000

00 000000000 : आइये आपके जरा दर्शन करा दें कि यूपी सरकार में जोगी-नू याय का प्रताप क्व या है। क्व या स् वर्णमि भवषि। य है यूपी में उद्यमिता प्रोत् साहन के लेकर किस तरह होता है नपिटाया जाता है उद्योग से जुड़ी फाइलों के। किस घुड़की और नविदन के बीच वशि लेषण किया जाता है सरकारी मशीनरी द्वारा। और किस तरह जोगी-सरकार का कंधेबाज बाबा के इशारे पर शीर्षासन लगा देती है, जबकि कनरीह व यवसायी के सहूलयितें देने के बजाय जोगी सरकार के पुलिसवाले उसकी सेवा में बिना छीला बांस प्रस् तुत कर उसे किसी अज्ञात स् थान पर भेज देते हैं।

यहां आपकी जानकारी के लिए दो घटना है, जिनका खुलासा नई दिल् ली के पत्रकार नवनीत मशिर ने अपनी वाल पर छापा है।

पहला - बाबा रामदेव ने सरिफ का घुड़की दी और यूपी सरकार घुटनों पर आ गई। आज कैबिनेट ने सारे नयिम कयदों के ठेंगा दिखाकर पतंजलि के नो डा में जमीन पास कर दी। पूह पार्कके लिए पूरे 45 सौ का जमीन के मालकि बन ग बाबा ध्यान दीर्जा, कुछ ही दिन पहले शासन के अफसर कह रहे थे कि नयिम इसकी इजाजत नहीं देते। मगर 15 दिन में वही नयिम कैसे दुरुस्त हो ग, यह सरकारी मुलाजमि बता सकते हैं।

दो - 26 साल का कबेचारा बेरोजगार लड़का अभषिक गुप्ता पेट्रोल पंप खोलने चला था, लिया था का करोड़ का लोन, हर माह भरने पड़ रहे थे का लाख रुपये ब्याज। उसे हरदोई में ग्राम समाज की जमीन अदला-बदली करनी थी। डी म से लेकर राजस्व परषिद ने नयिमानुसार फाइल पास कर पंचम तल भेज दी थी।

मगर प्रमुख सचिव फाइल दबा बैठे रहे, बेचारे ने जरा सी आवाज निकली तो सस्टिम ने न केवल हवालात की हवा खलिा दी, बल्कि पागल भी करार दे दिया।

भला सोचा, बाबा के कहने पर कई सौ का जमीन की फाइल चुटकियों में पास कर दी जा रही और का कयुवा के सरिफ आठ सौ वर्गमीटर की जमीन चाहती थी।

मैं बाबा रामदेव की पतंजलि के जमीन देने का वरिोध नहीं कर रहा हूं, अगर रोजगार की संभावना बनती है तो बेशक देना चाहती। मगर, मेरा सवाल यह है कि चेहरा देखकर जमीन देना जाना चाहती या नयिम देखकर? अगर वह युवा पेट्रोल पंप खोलता तो उससे भी तो कुछ लोगों के रोजगार मिलता। उस युवा का

0000-000000:000000 00 0000000000,000000 00 0000 0000

Written by मेरी बटिया संवाददाता  
Tuesday, 19 June 2018 17:11

---

गुनाह क्या था? सरिफ यह कि वह रसूखदार नहीं था कि कटवीट पर धमकी देकर जमीन हासलि कर सके]